5.1.4. Career

उद्यमिता और स्वरोजगार की अपार संभावनाएं

यूथ पंचायत से युवाओं में होगी नेतृत्व क्षमता विकसित - डॉ शिवानी

भोपाल, 16 जुलाई. मध्यप्रदेश शासन द्वारा अमर शहीद चंद्रशेखर आजाद की 116 वीं जयंती के अवसर पर आयोजित होने वाली यूथ महापंचायत के प्रथम चरण स्क्रीनिग का आयोजन शासकीय हमीदिया कला एवं वाणिज्य महाविद्यालय के सभागार में किया गया, जिसमें भोपाल जिले के 15 से 29 वर्ष के युवाओं ने खेल, स्टार्टअप, मेरा मध्यप्रदेश- मेरा गौरव, पर्यावरण संरक्षण में युवा भागीदारी विषय पर विचार रखें, चयनित युवा 18 जुलाई को आयोजित होने वाली जिला स्तरीय यूथ पंचायत में भाग लेंगे.

यूथ पंचायत हेतु प्रतिभागियों ने रखे विचार

प्रतियोगिता का शुभारंभ प्राचार्य डॉ अनिल शिवानी, निर्णायक डॉ सोना शुक्ला, डॉ. ममता इक्का, डॉ.अनिल दुबे, डॉ शरद तिवारी सहित जिला संगठन एनएसएस डॉ.आरएस नरवरिया ,कार्यक्रम अधिकारी डॉ आरपी शाक्य ने दीप प्रज्वलन कर किया . प्राचार्य डॉ.अनिल शिवानी ने कहा कि यूथ पंचायत के माध्यम से युवा अपने विचारों को आदान- प्रदान कर सकेंगे, एवं नीति निर्धारण में अपनी भागीदारी भी सुरक्षित साथ ही उनकी नेतृत्व क्षमता भी विकसित होगी. प्रतिभागी अंकित सिंह ने उद्यमिता व स्वरोजगार में बढ़ते अवसर विषय पर अपनी बात रखते हुए कहा कि भारत देश तथा मप्र में अपार संभावनाएं हैं, बस आवश्यकता हैं देश के युवाओं को उन संभावनाओं की पहचानने की. मप्र में उद्यम के लिये वह सब संसाधन हैं जिसका उपयोग करके एक छोटी सी कंपनी भी यूनिकॉर्न बनने का माद्दा रखती हैं. सरकार ने इसके लिये आवश्यक नीति बनाई हैं, जैसे मेक इन इंडिया, मेड इन इंडिया, स्कील इंडिया, स्टैंड अप इंडिया कौशल योजना. आवश्यकता हैं उन संसाधनों की पहचान करके उपयोग करने की.

पर्यावरण हमारे जीवन से जुड़ा हुआ है

प्रतिभागी सहदेव बघेल ने पर्यावरण के प्रति युवाओं की जिम्मेदारी विषय पर अपनी बात रखी और कहा की भारत देश में पर्यावरण का विशेष महत्व हैं, तभी तो हम पर्यावरण में उपस्थित हर एक वस्तु को आदर देते है . हमें उस सभी वस्तुओं की महता को समझने की आवश्यकता हैं जिससे हमारा जीवन जुड़ा हुआ हैं. प्रतिभागी सचिन यादव ने खेलों में मप्र के लिये अपार संभावनाएँ विषय की शुरुआत उन्होंने पढ़ोगे-लिखोगे तो बनोगे नवाब, खेलोगे-कूदोगे तो बनोगे देश की शान से करते हुए नीरज चोपड़ा, विवेक सागर, चिंकी यादव से युवा खेल सितारों का उदाहरण देते हुए बताया कि एक समय था जब खेल को बस कम पढ़े लिखें लोगों के नाम से जोड़ा जाता था लेकिन अब समय और मानसिकता दोनों बदल गई हैं.